Acute Coal shortage faced by Cloth Mill at Indore

1067. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that most of the cloth mills at Indore are facing acute coal shortage which has adversely affected their production capacity;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action Government has taken to enhance the coal supply to the cloth mills of Indore in Madhya Pradesh and ensure its regular supply to them?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) There have been complaints from Madhya Pradesh Textile Mills Association regarding the inadequate allotment and movement of coal to Textile Mills.

(b) and (c) There have been shortfalls in supply of coal by rail to non-core sector consumers, including textile, because of priority accorded in the movement of coal to core sectors like power, steel, loco, cement, fertilizers etc. However, Coal supplies to non-core sector consumers during the year 1991-92 have been more or less of the same order as during 1990-91. Government have instructed all the coal companies to supply at least 50 per cent of the linked quantity of coal to all the non-core sector consumers, including textiles by rail or by road.

जापान में सिले सिलाए वस्त्रों का मेला

1068. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जापान में आयोजित किए गए सिले-सिलाए वस्त्रों के मेले का अच्छा स्वागत हुआ था और उसमें 50 करोड़ रु० से भी अधिक के आर्डर बुक किए गए थे ;

(ख) क्या सरकार वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे और अधिक मेले आयोजित करने का विचार रखती है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलौत) : (क) से (ग) भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन ने 22 से 24 जून, 1992 में ओसाका, जापान में क्रेता-विक्रेता बैठक (बी एस एम) का आयोजन किया था । इस क्रेता-विक्रेता बैठक में 84 परिधान निर्यात फर्मों ने भाग लिया था । इसमें 10.412 मि० डालर मूल्य के कारोबार को अन्तिम रूप दिया गया तथा 32.914 मि० डालर मूल्य की पूछताछ की गई ।

मेलों में भाग लेना और क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन करना, अपेरल निर्यात संवर्धन परिषद का एक नियमित क्रिया-कलाप है । इसके अतिरिक्त 1992-93 में भी अपेरल निर्यात संवर्धन परिषद विभिन्न देशों में क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन करने के अतिरिक्त विदेशों में विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेने की योजना बना रही है ।

रुई का निर्यात

1069. **डा० बापू कालदाते** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के रुई उत्पादकों ने मांग की है कि निर्यात कोटा में वृद्धि की जानी चाहिये ;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र और गुजरात से इस समय कितनी रुई का निर्यात किया जाता है और रुई उत्पादकों ने कितनी मात्रा के निर्यात करने की मांग की है ; और

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए की गई उत्पादकों को उ के उत्पाद का उपयुक्त मूल्य मिले, सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) देश में कुछ कपास उपजकर्ता विपणन संघों ने चालू कपास मौसम के दौरान कपास के निर्यात के लिए और अधिक कोटे जारी करने का अनुरोध किया है।

(ख) चालू मौसम के दौरान किसी भी राज्य कपास उपजकर्ता संघ को कपास के निर्यात के लिये कोटे जारी नहीं किये गये हैं। महाराष्ट्र और गुजरात कपास उपजकर्ता विपणन संघों ने क्रमशः कपास की 2 लाख और 1 लाख गांठों के निर्यात कोटों के आवंटन के लिए अनुरोध किया है।

(ग) कपास की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्यों से काफी अधिक हैं और ये पिछले वर्ष के मूल्य स्तर से अधिक है। सरकार ने नवम्बर, 1991 के महीने में निर्यात के लिये बंगाल देशी कपास की 1 लाख गांठों को रिलीज किया था हाल ही में सरकार ने सी सी आई को कुछ पड़ोसी देशों जैसे नेपाल, बगला देश और श्रीलंका की 30,000 गाठों तक कपास की आवश्यकताओं को पूरा करने की अनुमति दी है।

इस संबंध में सरकार कपास उपजकर्ता विपणन संघों से निरन्तर सम्पर्क बनाए हुए है।

बाहरी देशों से साड़ियों के आर्डर

1070. **चौधरी हरि सिंह** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन बाहरी देशों के नाम क्या हैं जिनमें हथकरघे और विद्युतकरघे पर बनी भारतीय साड़ियों की काफी मांग है;

(ख) क्या कतिपय बाहरी देशों ने केन्द्रीय सरकार को उत्तम किस्म की साड़ियां तैयार करने के आर्डर दिए थे; और

(ग) यदि हां, तो इन आर्डरों का बाजार मूल्य कितना था ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) भारतीय साड़ियों की अधिकांशतः मांग यू०एस०ए०, यू०के०; यू०ए० ई०, कनाडा, सिंगापुर, मारीशस, मलेशिया, सऊदी अरब और श्री लंका में है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

कटिहार पटसन मिल का पुनः चालू किया जाना

1071. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या वस्त्र मंत्री 25 नवम्बर, 1991 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 235 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कटिहार (बिहार) स्थित पटसन मिल अभी भी बंद पड़ी है ;

(ख) यदि हां, तो इसे पुनः चालू करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है और इस बारे में सरकार के सामने क्या-क्या कठिनाइयां पेश आ रही हैं ; और

(ग) इसे कब तक पुनः चालू किए जाने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी, हां।